सरगम 6

पाठ 1. हिम्मत करने वालों की

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में निर्णय-क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे महत्वपूर्ण मुद्दों को समझकर उनसे रचनात्मक रूप से निपटने में सक्षम हो सकें। असफलता और सफलता जीवन यात्रा में मिलने वाले अनिवार्य अनुभव हैं। जो, चुनौतियों का सामना हिम्मत के साथ करता है। वह हारकर भी नहीं हारता। उसका जीवन-पथ विजय की मंजिल तक पहुँच ही जाता है। गोताखोर और चींटी का अपराजेय रहने का जीवन-दर्शन इस कविता की प्राणवायु है।

पाठ का सार

कवि हरिवंशराय बच्चन द्वारा रची 'हिम्मत करने वालों की' नामक कविता अपने ताने-बाने में अनेक जीवन दृश्यों को समेटे हुए है। जैसे चुनौतियों की लहरों से टकराए बिना जीवन की नाव पार नहीं होती। हिम्मत की प्रतीक छोटी-सी चींटी बार-बार अपना दाना लेकर आगे बढ़ती है, गोताखोर, सिंधु में डुबकियाँ लगाकर मोती खोजना चाहता है किंतु राह कभी भी आसान नहीं होती लेकिन इसी कठिन राह से वह एक दिन मुट्ठी में मोती लेकर लौटता है। ज़रूरत है, पहली बार या बार-बार मिलने वाली असफलताओं से सीख लेने की। मैदान में डटे रहना और कभी हथियार न डालना। बिना इस तरह के व्यवहार के कभी-कोई विजेता नहीं बनता। कविता में जीवन की चुनौतियों के साथ दो-दो हाथ करने का पक्का इरादा और अंत में विजय के प्रति विश्वास की अटूट भावना उसकी शब्द-रूपी रगों में बराबर समाई है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता को एक से अधिक बार हम स्वयं पढ़ें-जिएँ। उसके सस्वर वाचन करने का अभ्यास करें। लगभग कंठस्थ हो जाने की स्थिति में विद्यार्थियों से इसका मौन-मुखर, एकल-सामूहिक वाचन लय के साथ करवाएँ। कविता का अर्थ, शब्दार्थ-सरलीकरण के साथ-साथ जीवन-प्रसंगों को चर्चा में रखते हुए स्पष्ट करें। एक बार पूरी कविता को पढ़ने-सुनाने के बाद एक-एक अंश की अनुभूतिपरक व्याख्या करें। जीवन में असफलताएँ भी ऊर्जा का काम कर सकती हैं। चींटी से गोताखोर तक के उदाहरणों के साथ-साथ आसपास के जीवन से संबंधित उदाहरण भी जोड़े जा सकते हैं।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों** व **पहेलियों** के उत्तर देने का अवसर अधिक से अधिक बच्चों को मिले, यह अवश्य सुनिश्चित करें। अशुद्ध उत्तरों की दशा में अन्य बच्चों से शुद्ध उत्तर देने की अपेक्षा करें।
  - **पठित परिच्छेद** के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सटीक हों, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
  - **पाठ आधारित प्रश्नों** के उत्तर मूल पाठ में से ढूँढ़ने को कहें और यह सुनिश्चित करें कि वे उन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।

- ❖ **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
- ❖ वर्तनी की सही नींव डालने के लिए उच्चारण पक्ष, बलाघात, आदि पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। कहानी से संबंधित शब्द के विलोम शब्द की महत्ता पर बल दें।
- ❖ कविता के सही उच्चारण, वाचन को परखने के लिए आवाज़ को रिकॉर्ड कर सुनें-सुनाएँ।

◗ **क्रियाकलाप के लिए संकेत**

- ❖ चींटियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए एक ज्ञानवर्द्धक परियोजना तैयार करवाएँ।
- ❖ 'हिम्मत जिनका नारा है' ऐसे व्यक्तियों से संबंधित कुछ घटनाएँ समाचारपत्रों से एकत्रित करवाएँ और इस प्रसंग पर चर्चा करवाएँ।